देश के विकास में यूपी ग्रोथ इंजन बनकर सहयोग कर रहा : योगी

सीईएल में करोड़ों की लागत से बनने जा रहे ग्रीन डाटा सेंटर का भूमि-पूजन करके रखी नींव

अमर उजाला ब्यूरो

साहिबाबाद (गाजियाबाद)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश के विकास में उत्तर प्रदेश ग्रोथ इंजन बनकर सहयोग कर रहा है। यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां आठ वर्ष पूर्व कोई भी उद्यमी निवेश करने से घबराता था। वर्तमान में सबसे अधिक निवेश उद्यमी प्रदेश में ही कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को साहिबाबाद साइट-4 स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (सीईएल) के 51वें वार्षिक स्थापना दिवस में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने ग्रीन डाटा सेंटर का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ वर्ष पहले यूपी एक बीमारू राज्य माना जाता था। यूपी के लोगों से लोग बात करना तक पसंद नहीं करते थे। आज लोग पूछते हैं कि आप उत्तर प्रदेश से हैं।

उन्होंने कहा कि हमने छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को ढाई गुना बढ़ाया। पहले यूपी में जिनका निवेश था भी वह अपना कारोबार समेट कर भागना चाहते थे। वर्तमान में हर कोई यहां निवेश करना चाहता है। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष में हमें 50 लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। इनवेस्टर्स की सभी समस्याओं का समाधान सिंगल विंडो से किया जा रहा है।

सीएम ने संबोधन से पूर्व कंपनी परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया। उन्होंने सीईएल की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी भी देखी। कार्यक्रम में सीईएल की ओर से भारत सरकार को लगभग 21 करोड़ के लाभांश का चेक भी भेंट किया गया।

सीईएल और मल्टी इंफ्रा के बीच 200 मेगावाट सोलर मॉड्यूलर के लिए एमओयू भी हस्तांतरित हुआ। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दो बड़ी घोषणाएं मंच से कीं। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द नोएडा स्थित आईटीआई में देश की पहली क्वांटम यूनिट स्थापित होगी। साथ ही तकनीकी और औद्योगिक विकास को लेकर 15 अगस्त के बाद तीन दिवसीय स्टार्टअप कॉन्क्लेव भी आयोजित होगा, ताकि निवेश के लिए बेहतर रास्ते खुल सकें।

गाजियाबाद में सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में प्रस्तावित ग्रीन डाटा सेंटर के मॉडल की जानकारी लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। -संवाद

ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल पाकिस्तान में टेस्टेड हैं

अपने संबोधन में सीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आकाश और ब्रह्मोस पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड हैं। उन्होंने कहा कि डिफेंस मेन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में ब्रह्मोस मिसाइल से जुड़े उपकरण भी सीईएल जैसे संस्थानों के सहयोग से ही बन रहे हैं। ब्रह्मोस और आकाश जैसी मिसाइलों का उपयोग हाल ही में पाकिस्तान पर किया गया। हम कह सकते हैं कि इन दोनों मिसाइलों की क्षमता को पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड किया जा चुका है। इस दौरान उन्होंने सीईएल द्वारा रेलवे, रक्षा, अक्षय ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में किए गए नवाचारों की प्रशंसा की।